दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 35 | लखनऊ, मंगलवार, 20 अगस्त , 2019 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

भारत में 2030 तक ऊर्जा स्वतंत्रता के लिये अक्षय ऊर्जा का उपयोग विषय पर व्याख्यान आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज

लखनऊ। इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, यू0पी0 स्टेट सेन्टर में आज ष्भारत में 2030 तक ऊर्जा स्वतंत्रता के लिये अक्षय ऊर्जा का उपयोगश् विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याखान के मुख्य.वक्ता डा0 भरत राज सिहए महा निदेशकए स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट सांइसेजए लखनऊ थे जिन्होने बताया कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताए जो सौर ऊर्जा पवन और जैव द्रव्यमान और गैस माध्यम के रूप मे उपलब्ध हैं के द्वारा 2030 तक भारत को विद्युत ऊर्जा की कमी से मुक्त बना सकते हैं। सन 2020 तक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने हेतु भारत सरकार ने 175 गीगा वाट अक्षय उर्जा का विद्युत दोहन कर राष्ट्रीय ग्रिड में भेजने की योजना बना रखी है। उस 175 गीगा.वाट में सेए भारत सरकार ने सौर उत्पादन से 100 गीगा.वाटए पवन ऊर्जा से 50 गीगा.वाट और मिनी.हाइड्रो और बायोमासए बायोगैस आदि से 25 गीगा.वाट की योजना बनाई है। बजट 2019 के दौरानए भारत सरकार ने सौर ऊर्जा के माध्यम से 200 गीगा.वाट का लक्ष्य सन 2030 तक अक्षय ऊर्जा से निर्धारित किया तथा 2030 । यह न केवल जलवायु गिरावट के संरक्षण के लिए जोड़ देगाए बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य को कई गुना बदलाव देगा और भारत को ऊर्जा स्वतंत्रता में भी विकसित कर सकता है जिस विद्युत शक्ति का निर्यात भविष्य में पड़ोसी देशों को का अंतरराष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से कर सकता है।